

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-खण्ड (i) PART II—Section 3—Sub-section (i)

भाषिकार से भक्तीयत PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 123] मई बिस्सी, मंगलबार, मार्च 17, 1992/फाल्ग् 27, 1913 No 123] NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 17, 1992/PHALGUNA 27, 1913

इ.स. भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह अलग संकालन के रूप में रचा जा सको

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

खाद्य मंद्रालय

म्रादेश

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1992

सा.का.नि. 334(म्र).—केन्द्रीय सरकार, भांडागारण निगम अधिनियम, 1962 (1962 का 58) की धारा 19 की उप धारा (1) के परन्तुक द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केरल सरकार से परामर्श करने के बाद केरल राज्य भांडागारण निगम की प्राधिकृत

(1)

ंग्रेयर पूंजी की अधिकतम सीमा बढ़ाकर चार करोड़ पचास लाख रुपय करती है, जो प्रत्येक एक सौ रुपये के अंकित मृत्य के चार लाख पचास हजार ग्रेयरों में विभक्त होगी।

> [फा. सं. 7-15/89-संग्रह] श्राई. एल. नागपाल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FOOD

ORDER

New Delhi, the 17th March, 1992

G.S.R. 334(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (1) of section 19 of the Warehousing Corporations Act, 1962 (58 of 1962), the Central Government, after consultation with the Government of Kerala, hereby increases the maximum limit of the authorised capital of the Kerala State Warehousing Corporation to four crores fifty lakhs of rupees, divided into four lakhs fifty thousand shares of the face value of one hundred rupees each.

[F. No. 7-15|89-SG] I. L. NAGPAL, Jt. Secy.